गोविंद रा गुण गाय बंदा रे मालिक रा गुण गाय

गोविंद रा गुण गाय बंदा रे,

दोहा – लागी लागी सब कहे,
लागि नही लिगार,
लागी हरि रे नाम री,
हुई कलेजे पार।

गोविंद रा गुण गाय बंदा रे,
मालिक रा गुण गाय,
उमरिया जावेला जी जावे छे।bd।

गरबवास में कोल किया था,
बाहर आया रे जद,
नाम ना लिया था,
भूल गयो भगवान,
उमरिया जावेला जी जावे छे।bd।

बालपनो हंस खेल गमायो,
जोवन में तिरिया बिलमायो,
याद कियो ना राम,
उमरिया जावेला जी जावे छे।bd।

अब तो बूढापो आसी भारी,
ताना देवे थारे घर री नारी,
हाची करि भगवान,
उमरिया जावेला जी जावे छे।bd।

रामानंद गुरु दे रिया हेला,
सुन ले दास कबीर रा चेला,
करले सुकरात काम,
उमरिया जावेला जी जावे छे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गोविद रा गुण गाय बँदा रे,
मालिक रा गुण गाय,
उमरिया जावेला जी जावे छे।bd।

गायक / प्रेषक – श्याम निवास जी।
9024989481

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com